

रुणिचे वाला थे ही हो म्हारा जनम सुधारन थे ही हो



एक बात म्हारा,
मायळा में उपजे,
थाने सरीखा थे ही हो,
एक राम दुजे दशरथ घर,
तिजो दिखे नही हो,
रुणिचे वाला थे ही हो,
म्हारा जनम सुधारन थे ही हो,
भक्तारा भिडी थे ही हो,
प्रल्हाद उबारन थे ही हो,
खंबो फाड लियो अवतार,
हिरणाकुश मारन थे ही हो।

दडीया रमता दोटो लाग्यो,
गेंद पडी धे माही हो,
कुद पड्या समदर के माही,
नाग नाथ कर लाई हो,
रुनिचे वाला थे ही हो,
म्हारा जनम सुधारन थे ही हो,
भक्तारा भिडी थे ही हो,
प्रल्हाद उबारन थे ही हो,
खंबो फाड लियो अवतार,
हिरणाकुश मारन थे ही हो।

चौपळ रमता भुजा पसारी,
बणियेरी जहाज तिराई हो,
भैरु रागसने पकड पछाड्यो,
बजर शिला सरकाई हो,
रुनिचे वाला थे ही हो,
म्हारा जनम सुधारन थे ही हो,
भक्तारा भिडी थे ही हो,
प्रल्हाद उबारन थे ही हो,
खंबो फाड लियो अवतार,
हिरणाकुश मारन थे ही हो।

टिटोळीरा अंडा उबारीया,
इन भारत के माही हो,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अब आप भी वाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



जलती अगनी रे माही हो,
रुनिचे वाला थे ही हो,
म्हारा जनम सुधारन थे ही हो,
भक्तारा भिडी थे ही हो,
प्रल्हाद उबारन थे ही हो,
खंबो फाड लियो अवतार,
हिरणाकुश मारन थे ही हो।

ऐसा ऐसा भजन करो रे,
अपना तन मन माही हो,
भजन करो बैकुंठ सिधावो,
यम री मार बचाई हो,
रुनिचे वाला थे ही हो,
म्हारा जनम सुधारन थे ही हो,
भक्तारा भिडी थे ही हो,
प्रल्हाद उबारन थे ही हो,
खंबो फाड लियो अवतार,
हिरणाकुश मारन थे ही हो।

एक बात म्हारा,
मायळा में उपजे,
थाने सरीखा थे ही हो,
एक राम दुजे दशरथ घर,
तिजो दिखे नही हो,
रुनिचे वाला थे ही हो,
म्हारा जनम सुधारन थे ही हो,
भक्तारा भिडी थे ही हो,
प्रल्हाद उबारन थे ही हो,
खंबो फाड लियो अवतार,
हिरणाकुश मारन थे ही हो।

स्वर / प्रेषक – दिनेश शर्मा।

9423427668

प्रेरणा – भाई राधाकिसनजी शर्मा (आसरा)